



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्रधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

437

सं० 14]  
No. 14]

नई दिल्ली, शनिवार, अप्रैल 5, 1975 (चैत्र 15, 1897)  
NEW DELHI, SATURDAY, APRIL 5, 1975 (CHAITRA 15, 1897)

इस भाग में निम्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके  
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a Separate compilation)

## भाग III—खण्ड 1

### PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 27 फरवरी, 1975

नई दिल्ली-110011, दिनांक 12 मार्च 1975

सं० ए० 12019/6/74-प्रशा० II—संघ लोक सेवा आयोग की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 11-12-74 के अनुक्रम में अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग एतद्वारा संघ लोक सेवा आयोग में के० स० स्टे० सेवा संवर्ग के स्थायी चयन ग्रेड अधिकारी तथा आयोग के कार्यालय में के० स० स्टे० सेवा संवर्ग से प्रतिनियुक्ति पर स्थानापन्न अनुभाग अधिकारी श्री बी० एम० जैन को 1-3-75 से 22 मार्च की प्रतिनियुक्ति के लिए अथवा पद के नियमित आचार पर भरे जाने तक, जो भी पहले हो, अध्यक्ष के विशेष सहायक के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं।

श्री बी० एस० जैन, अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग के विशेष सहायक के संवर्ग वाह्य पद पर प्रतिनियुक्ति पर रहेंगे और उनका वेतन समय समय पर यथा संशोधित विनियम के का० ज्ञा० सं० एफ० 10(24)-ई० III दिनांक 4-1-1961 में निहित उपबंधों के अनुसार वित्तियमित होगा।

पी० ए० मंडर्जी,  
सचिव.

सं० ए० 32013/1/75-प्रशासन I—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के अनुभाग अधिकारी ग्रेड के स्थायी अधिकारी श्री के० एस० कक्कड़ ने जिन्हें इस कार्यालय की अधिसूचना सं० 32013/1/75-प्रशासन I, दिनांक 7-2-1975 द्वारा उक्त सेवा के ग्रेड I में स्थानापन्न आधार पर कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया था, 15 फरवरी, 1975 के अपराह्न से अवर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

2. अपने प्रत्यावर्तन के बाद श्री के० एस० कक्कड़ ने 15 फरवरी, 1975 के अपराह्न से संघ लोक सेवा आयोग में अनुभाग अधिकारी के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० ए० 32013/1/75-प्रशा० I—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के अनुभाग अधिकारी ग्रेड के स्थायी अधिकारी श्री बी० आर० वर्मा ने, जिन्हें इस कार्यालय की अधिसूचना सं० ए० 32013/1/75-प्रशा० I दिनांक 22 फरवरी 1975 द्वारा उक्त सेवा के ग्रेड I में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया था, 15 फरवरी 1975 के अपराह्न से संघ लोक सेवा आयोग में अवर सचिव के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

2. अपने प्रत्यावर्तन के बाद श्री बी० आर० वर्मा ने 15 फरवरी, 1975 के अपराह्न से संघ लोक सेवा आयोग में अनुभाग अधिकारी के पद का कार्यभार संभाल लिया।

दिनांक, 31 जनवरी 1975

सं ए० 38014/2/74-प्रशा-III—स्थायी सहायक तथा सच लोक सेवा आयोग के के० सं० मे० सर्वग में स्थानापन्न अनुभाग अधिकारी श्री कर्तार सिंह दत्ता को राष्ट्रपति द्वारा, कामिक विभाग के का० शा० सं० 33/12/73-स्था० (ए०) दिनांक 24 नवम्बर, 1973 के अपने सचिवालय निवृत्ति की आयु को प्राप्त होने पर 31 जनवरी, 1975 के अपराह्न से सरकारी सेवा से सेवा-निवृत्त होने की अनुमति प्रदान की जाती है।

दिनांक 1 मार्च 1975

सं ए० 32013/1/75-प्रशा० I—केन्द्रीय सचिवालय सेवा के ग्रेड I के स्थायी अधिकारी श्री जे० बी० गुप्ता को राष्ट्रपति द्वारा 11-2-1975 से 10-4-1975 तक (दोनों दिनों सहित), 2 महीने की अतिरिक्त अवधि के लिए या आगामी आदेश तक दोनों में जो पहले हो उक्त सेवा के चयन ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 10 मार्च 1975

शुद्धि पत्र

सं ए० 12025 (II)/1/72 प्रशा० III—इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 24 फरवरी, 1975 की सातवीं पंक्ति में प्रकाशित “अपराह्न” शब्द के स्थान पर “पूर्वाह्न” पढ़ा जाए।

पी० एन० मुखर्जा,  
अवर सचिव,  
(प्रशासन प्रभारी)  
सच लोक सेवा आयोग

मंत्रिमंडल सचिवालय

(कामिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग)

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

दिनांक मार्च 1975

सं ए०-19021/3/75-प्रशासन-5—राष्ट्रपति अपने प्रसाद से श्री बी० पी० भटनागर, भारतीय पुलिस सेवा (राजस्थान-1963-आर० आर०) को दिनांक 12 फरवरी, 1975 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में पुलिस अधीक्षक नियुक्त करते हैं।

गुलजारी लाल अग्रवाल,  
प्रशासन अधिकारी (स्था०)  
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

प्रवर्तन निदेशालय

नई दिल्ली-1 दिनांक 8 जनवरी 1975

सं ए०-11/59/74—श्री डी० डी० शर्मा, निरीक्षक, आयकर, अमृतसर को प्रवर्तन निदेशालय के जालधर उप-क्षेत्रीय

कार्यालय में दिनांक 20-1-74 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक के लिए प्रवर्तन अधिकारी के रूप में नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 17 जनवरी 1975

नियुक्ति

सं ए०-11/61/74—श्री पी० वी० पटवर्धन निरीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, इलाहाबाद को प्रवर्तन निदेशालय के वाराणसी उप-क्षेत्रीय कार्यालय में दिनांक 10-1-1975 से अगले आदेशों तक के लिए प्रवर्तन अधिकारी के रूप में नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 4 फरवरी 1975

सं ए०-11/1/75—श्री आर० के० गर्ग, निरीक्षक, आयकर, नई दिल्ली को प्रवर्तन निदेशालय के दिल्ली क्षेत्रीय कार्यालय में दिनांक 28-1-75 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक के लिए प्रवर्तन अधिकारी के रूप में नियुक्त किया जाता है।

ह०/-

नृपेन बक्षी,  
उप-निदेशक,

गृह मंत्रालय

कार्यालय, भारत के महापजीकार

नई दिल्ली-110011 दिनांक 1975

सं 5/29/71-आर० जी० (ए० डी० I)—विदेश मंत्रालय के आई० टी० ई० सी० कार्यक्रम के अन्तर्गत अफगानिस्तान सरकार के डेमोग्राफी विशेषज्ञ के पद पर प्रतिनियुक्ति के चयन के फलस्वरूप श्री आर० डी० अग्रवाल भारत के महापजीकार के कार्यालय में वरिष्ठ शोध अधिकारी के पद भार को दिनांक 20 फरवरी, 1975 के अपराह्न से सौंप दिया।

सं 11/3/75-ए० डी० I—राष्ट्रपति, श्री पी० एस० टण्डन, जनगणना कार्य उप-निदेशक, उत्तर प्रदेश की सेवाएँ, दिनांक 5 फरवरी 1975 पूर्वाह्न से उत्तर प्रदेश सरकार के अधीन, सहर्ष प्रतिस्थापित करने हैं।

राष्ट्रपति श्री बी० एम्० भाट, जनगणना कार्य सह-निदेशक, महाराष्ट्र की सेवाएँ भी, दिनांक 10 जनवरी 1975 पूर्वाह्न से महाराष्ट्र सरकार के अधीन, प्रतिस्थापित करते हैं।

सं पी०/टी० (I) 1—राष्ट्रपति, श्री आर० आर० त्रिपाठी को पंजाब आयोग (मानचित्र) के पद पर भारत के महापजीकार कार्यालय में दिनांक 1 मार्च 1975 से स्थायी रूप से नियुक्त करते हैं।

बंदी नाथ

उप-महा पजीकार एवं  
पदेन उप-सचिव,

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज 1/2, नई दिल्ली-1

दिनांक 14 मार्च 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर० III/  
सितम्बर-1/389(7)/74-75/8099—यतः, मुझे डी० बी०  
लाल आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की  
धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० 7, (अंकित भाग ई० एफ० जी० एच०) है,  
जो पृथ्वीराज रोड, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपा-  
बद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन 3-9-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित  
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक  
है और अन्तरक (अन्तरको) अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त  
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया  
गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैं ० कलैरिजिज होटल (प्रा०) लि०, 12, श्रीरंगजेव  
रोड, नई दिल्ली द्वारा श्री महादेव प्रसाद, सुपुत्र स्व० श्री  
गोकल चन्द, 21-ए०, श्रीरंगजेव रोड, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

स्काईवेज प्रापर्टीज (प्रा०) लि०, सी-96, साऊथ  
-1 पार्ट-II, नई दिल्ली-1 द्वारा श्री राजेन्द्रा प्रसाद जैन,  
सी-96, साऊथ एक्सटेन्शन, पार्ट-II, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए एतद्वारा कार्यवाहिया शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

#### अनुसूची

प्लॉट न० 20 ब्लॉक न० 1, जिसका नया नं० 7,  
पृथ्वीराज रोड, (राबेन्डन रोड की तरफ) नई दिल्ली का  
भाग (अंकित भाग ई० एफ० जी० एच०) और जिसका क्षेत्रफल  
2429.59 वर्ग गज (128'-7 1/2" × 170') है और जो कुल प्लॉट  
जिसका क्षेत्रफल 4859.17 वर्ग गज है का हिस्सा है । यह भाग  
निम्न प्रकार से घिरा है :—

उत्तर-पूर्व : भूमि का अंकित भाग 'सी०' और 'डी०'  
दक्षिण-पश्चिम : प्लॉट नं० 9 पृथ्वीराज रोड जो अन्न  
44-ए०, राबेन्डन रोड से पहचाना  
जाता है ।

उत्तर-पश्चिम : राजस्थान सरकार की भूमि से ।  
दक्षिण-पूर्व : राबेन्डन रोड से ।

डी० बी० लाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1/2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक : 14-3-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1/2, दिल्ली-1

4/14ए०, आसफ अली रोड़, नई दिल्ली।

दिनांक 14 मार्च 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर० III/  
सितम्बर-1/387(5)/74-75/9001—यतः, मुझे, डी० बी०  
लाल आयकर अधिनियम 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त  
अधिनियम', कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन  
सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर  
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० 7, (अंकित भाग 'सी०') है, जो पृथ्वीराज  
रोड़, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन 3-9-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से  
धन के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल, से ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित वास्तविक रूप में से वर्णित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उमसे बचने में सुविधा  
के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, धन धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम  
की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित  
व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मै० कलैरिजज होटल (प्रा०) लि०, 12, औरंगजेब  
रोड़, नई दिल्ली द्वारा श्री महादेव प्रसाद, सुपुत्र स्व० श्री  
गोकल चन्द, 21-ए०, औरंगजेब रोड़, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री नेमी चन्द जैन, सुपुत्र श्री कुन्दन लाल जैन,  
निवासी ए०-2/25, सफदरजंग एनक्लेव, नई दिल्ली-16।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप, यदि कोई हो, —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-  
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

#### अनुसूची

प्लॉट नं० 20, ब्लॉक नं०- I, जिसका नया नं० 7,  
पृथ्वीराज रोड़ (राटेन्डन रोड़ की तरफ) नई दिल्ली का भाग  
(अंकित भाग सी०) और जिसका क्षेत्रफल लगभग 574.93  
वर्ग गज है (60' = 10 1/2' × 85') है और जो कुल  
प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 4859.17 वर्ग गज है का हिस्सा  
है। यह भाग निम्न प्रकार से घिरा है:—

उत्तर-पूर्व : भूमि का अंकित भाग 'ए०'  
दक्षिण-पश्चिम : भूमि का अंकित भाग 'ई०'  
उत्तर-पश्चिम : भूमि का अंकित भाग 'डी०'  
दक्षिण-पूर्व : राटेन्डन रोड़ से।

डी० बी० लाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक: 14-3-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1/2, दिल्ली-1

दिनांक 14 मार्च 1975

निर्देश सं० आई०ए०सी०/एक्यू०/1/एस०आर० III/सितम्बर-1/ 398(17) /74-75/9003—यतः, मुझे, डी० बी० लाल, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 7, (अंकित भाग 'डी०') है, जो पृथ्वीराज रोड, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 9-9-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल वा पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण सट्टी किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मै० कलैरिजज होटल (प्रा०) लि०, 12, औरंगजेब रोड, नई दिल्ली द्वारा श्री महादेव प्रसाद, सुपुत्र स्व० श्री गोकल चन्द, 21-ए०, औरंगजेब रोड, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. श्री महेन्द्रा प्रसाद जैन, सुपुत्र स्व० श्री महाराज प्रसाद जैन, निवासी डालमिया नगर, बिहार । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लॉट नं० 20, ब्लॉक नं० I, जिसका नया नं० 7, पृथ्वीराज रोड (राटेन्डन रोड की तरफ) नई दिल्ली का भाग (अंकित भाग डी) और जिसका क्षेत्रफल लगभग 574.93 वर्ग गज है (60' = 10 1/2" × 85') है और जो कुल प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 4859.17 वर्ग गज है का हिस्सा है । यह भाग निम्न प्रकार से घिरा है :—

उत्तर-पूर्व : भूमि का अंकित भाग 'बी०'  
दक्षिण-पश्चिम : भूमि का अंकित भाग 'एफ०'  
उत्तर-पश्चिम : राजस्थान सरकार की भूमि से  
दक्षिण-पूर्व : भूमि का अंकित भाग 'सी०'

डी० बी० लाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक : 14-3-1975

मोहर

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1/2, दिल्ली-1

4/14ए०, आसफ अली रोड़, नई दिल्ली।

दिनांक 14 मार्च 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस०आर० III/सितम्बर-1/388(6)/74-75/9005—यतः, मुझे, डी० बी० लाल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 7, (अंकित भाग 'बी०') है, जो पृथ्वीराज रोड़, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 3-9-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मै० कलैरिजिज होटल (प्रा०) लि०, 12, श्रीरंगजेब रोड़, नई दिल्ली द्वारा श्री महादेव प्रसाद, सुपुत्र स्व० श्री गोकल चन्द, 21-ए०, श्रीरंगजेब रोड़, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती पदमा रानी जैन, पति श्री राजेन्द्रा प्रसाद जैन, निवासी सी०-96, साउथ एक्सटेन्शन पार्ट-II, नई दिल्ली-49

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

प्लॉट नं० 20, ब्लॉक नं० I, जिसका नया नं० 7, पृथ्वीराज रोड़ (राटेन्डन रोड़ की तरफ) नई दिल्ली का भाग (अंकित भाग बी०) और जिसका क्षेत्रफल लगभग 639.86 वर्ग गज (67'-9" × 85') है और जो कुल प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 4859.17 वर्ग गज है का हिस्सा है। यह भाग निम्न प्रकार से घिरा है :—

उत्तर-पूर्व : प्लॉट नं० 5 से पृथ्वीराज रोड़

दक्षिण-पश्चिम : भूमि का अंकित भाग 'डी०'

उत्तर-पश्चिम : राजस्थान सरकार की भूमि से

दक्षिण-पूर्व : भूमि का अंकित भाग 'ए०'

डी० बी० लाल

दिनांक 14-3-1975

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मोहर :

अर्जन रेंज-1/2 दिल्ली, नई दिल्ली-1

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1/2, दिल्ली-1

4/14-ए०, आसफ अली रोड, नई दिल्ली।

दिनांक 14 मार्च 1975

निर्देश सं० आई०ए०सी०/एक्यु०/1/एस०आल० III/सितम्बर-1/397(16)/74-75/9007—यतः, मुझे, डी० बी० लाल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 7 (अंकित भाग 'ए०') है, जो पृथ्वीराज रोड, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 9-9-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से वर्णित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. म० कलैरिजिज होटल (प्रा०) लि०, 12, श्रीरंगजेब रोड नई दिल्ली। द्वारा श्री महादेव प्रसाद, सुपुत्र स्व० श्री गोकल चन्द, 21-ए०, श्रीरंगजेब रोड नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री ब्रजेश्वर प्रसाद जैन, सुपुत्र स्व० श्री महाराज प्रसाद जैन, निवामी डायमिया नगर, बिहार। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

प्लॉट नं० 20 ब्लॉक नं० I, जिसका नया नं० 7, पृथ्वीराज रोड (राटन्डन रोड की तरफ) नई दिल्ली का भाग (अंकित भाग 'ए०') और जिसका क्षेत्रफल लगभग 639.86 वर्ग गज (67' 9" × 85') है और जो कुल प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 4859.17 वर्ग गज है का हिस्सा है। यह भाग निम्न प्रकार से घिरा है :—

उत्तर-पूर्व : प्लॉट नं० 5 से पृथ्वीराज रोड

दक्षिण-पश्चिम : भूमि का अंकित भाग 'सी०'

उत्तर-पश्चिम : भूमि का अंकित भाग 'बी०'

दक्षिण-पूर्व : राटन्डन रोड से

डी० बी० लाल

दिनांक: 14-3-1975

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मोहर :

अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1/2, दिल्ली-1

4/14-ए०, आसफ अली रोड, नई दिल्ली।

नई दिल्ली, दिनांक 13 मार्च 1975

निर्देश सं० आई०ए०सी०/एक्यू०/11/74-75/811/

9030—यतः, मुझे, सी० बी० गुप्ते

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० डी०-8, है, जो राजोरी गार्डन नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 5-12-1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से युक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उस से बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री अक्षरजीत सिंह, सुपुत्र श्री संत सिंह, निवासी एच०-67, राजोरी गार्डन, नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्रीमती त्रिशला रानी, पत्नी श्री भोपाल सिंह जैन, निवासी 225, लालपुरा इटावा (यू०पी०) (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

1/4 अविभाजित भाग जायदाद का जिसका प्लॉट नं० डी०-8 तथा क्षेत्रफल 1960 वर्ग गज का 1/4 है जो कि 490 वर्ग गज है। यह राजोरी गार्डन नामक कालोनी से जाना जाता है। तथा इसकी सीमाएं निम्न प्रकार से हैं :—

उत्तर : सहायक सड़क  
दक्षिण : सड़क  
पूर्व : प्लॉट नं० 9 पर मकान  
पश्चिम : प्लॉट नं० 7 पर मकान

सी० बी० गुप्ते  
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1/2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक: 13 मार्च, 1975

मोहर।



प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज 1/2, दिल्ली-1

4/14-ए०, आसफ अली रोड, नई दिल्ली।

नई दिल्ली दिनांक 13 मार्च 1975

निर्देश सं० आई०ए०सी०/एक्यू०/11/74-75/810/9028-  
यतः, मुझे, सी० बी० गुप्ते

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की  
धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० डी०-8 है, जो राजौरी गार्डन, नई दिल्ली  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में  
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन 5-12-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत  
विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से  
कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर  
वेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे  
बचने में सुविधा के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा  
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए  
था, में छिपाने के लिए सुकर बनाना

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के  
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित  
व्यक्तियों, अर्थातः—

2-6GI/75

1. श्री करतार सिंह, सुपुत्र श्री संत सिंह, निवासी  
एच०-67, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्री भोपाल सिंह जैन, सुपुत्र श्री मुक्तिधर सिंह जैन,  
निवासी 225, लालपुरा, इटावा (यू० पी०)। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिये एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू कर्ता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि के बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के  
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ  
होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

1/4 अविभाजित भाग जायदाद का जिसका प्लॉट नं०  
डी०-8 तथा क्षेत्रफल 1960 वर्ग गज का 1/4 है जो कि  
498 वर्ग गज है। यह राजौरी गार्डन नामक कालोनी से  
जाना जाता है। तथा इसके सीमाएं निम्न प्रकार से हैं :—

उत्तर : सहायक सड़क।

दक्षिण : सड़क।

पूर्व : प्लॉट नं० 9 पर मकान।

पश्चिम : प्लॉट नं० 7 पर मकान।

सी० बी० गुप्ते

सक्षम प्राधिकारी

दिनांक 13 मार्च, 1975 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मोहर : अर्जन रेंज-1/2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

प्ररूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1/2, दिल्ली-1

4/14-ए०, आसफ अली रोड, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 13 मार्च 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/74-75/809/9025—यतः, मुझे, सी० वी० गुप्ते

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन गद्यम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 20-8 है, जो राजौरी गार्डन, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायुक्त शतगुची में पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रार ऑफ़ी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 5-12-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री हरी सिंह, सुपुत्र श्री संत सिंह, निवासी एच०-67, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्रीमती सिंगारी देवी, पत्नी श्री मुक्तियार सिंह, निवासी 225, लालपुरा, इटावा (यू० पी०) (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्समन्वर्ती व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में दिए जा सकेंगे ।

व्याप्तीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

1/4 अविभाजित भाग जायदाद का जिसका प्लॉट नं० डी०-8 तथा क्षेत्रफल 1960 वर्ग गज का 1/4 है जो कि 490 वर्ग गज है। यह राजौरी गार्डन नामक कालोनी से जाना जाता है। तथा इसकी सीमाएं निम्न प्रकार से हैं :—

उत्तर : सहायक सड़क ।

दक्षिण : सड़क ।

पूर्व : प्लॉट नं० 9 पर मकान ।

पश्चिम : प्लॉट नं० 7 पर मकान ।

सी० वी० गुप्ते

सक्षम प्राधिकारी

दिनांक 13 मार्च, 1975 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मोहर : अर्जन रेंज-1/2, दिल्ली, नई दिल्ली-I

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रज 1/2, दिल्ली-1

4/14-ए०, आसफ अली रोड नई दिल्ली।

नई दिल्ली दिनांक 13 मार्च 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/74-75/808/9024—यतः, मुझे, सी० बी० गुप्ते,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० डी०-8 है, जो राजौरी गार्डन नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 5-12-1974 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या निया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

1. श्री बलवीर सिंह, सुपुत्र श्री सत सिंह, निवासी एच-67 राजौरी गार्डन, नई दिल्ली। (अन्तरिक)

2. श्री भोपाल सिंह जैन, सुपुत्र श्री मुख्तियार सिंह जैन, 225, लाल पुरा, इटावा (यू० पी०) (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना किसी तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

1/4 अविभाजित भाग जयदाद का जिसका प्लॉट न० डी०-8 तथा क्षेत्रफल 1960 वर्ग गज का 1/4 है जो कि 490 वर्ग गज है। यह राजौरी गार्डन नामक कालोनी से जाना जाता है। तथा इसकी सीमाएं निम्न प्रकार से हैं :—

उत्तर : सहायक गडक।

दक्षिण : सड़क।

पूर्व : प्लॉट न० 9 पर मकान।

पश्चिम : प्लॉट न० 7 पर मकान।

सी० बी० गुप्ते,

सक्षम प्राधिकारी

दिनांक 13 मार्च, 1975 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) मोहर : अर्जन रज-1/2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज धारवाड़ का कार्यालय

धारवाड़, दिनांक 10 मार्च 1975

निर्देश सं० 73/74-75/ए०सी० एक्यु०—यतः मुझे

भार० पार्थसारथी आयकर

अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे नं० 129, 130 और 131 और म्याट्रिक्स नं० 743 और 2436 जो बैना वास्को-ड-गामा शहर तालुका मार्मगोवा, गोवा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मार्मगोवा में डाक्युमेंट नं० 202/74 के अन्तर्गत 30-8-74 के दिन भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

1. चोंगुले एंड कम्पनी, रजिस्टर्ड आफिस—मार्मगोवा हार्बर्डर, गोवा।

(अन्तरक)

2. श्री विजय विश्वासराव चोंगुले, वास्को-ड-गामा, गोवा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

म्याट्रिक्स नं० 743 का निवास योग्य इमारत जो निम्नलिखित अनुसूची ए" और अनुसूची बी" में वर्णित जमीनों पर खड़ा हैः—  
अनुसूची "ए" :—

मार्मगोवा तालुक वास्को-ड-गामा शहर के बैना में स्थित आस्ती का वर्णन :—

वर्णन विस्तीर्ण लैंड रजिस्ट्री नं० सर्वे नं०  
म्याट्रिक्स नं०

"पांटोंगा" नामक जमीन 1404.75 37547 130 2436  
प्लॉट नं० 977 (पुराने चदर  
प्लान के लोटे नं० 56 से मीटर।

सम्बन्धित वास्को-ड-गामा।

सीमाएं :—

पूरब में या पूरब की तरफ :—रास्ता।

पश्चिम में या पश्चिम की तरफ :—लोटे जे०सी० और लोटे जे० डी०।

उत्तर में या उत्तर की तरफ :—लोटे नं० 963।

दक्षिण में या दक्षिण की तरफ :—विवेकानन्द मार्ग।

अनुसूची "बी" :—

मार्मगोवा तालुक, वास्को-ड-गामा शहर के बैना में स्थित आस्ती का वर्णन :—

वर्णन विस्तीर्ण ल्यांड सर्वे नं० म्याट्रिक्स नं०  
नं०

जमीन जिसका नाम

1. लोटे जे०सी० है—601.54 निल 129 निल  
2. लोटे जे०डी० है—589.54 131

चदर मीटर निल निल

सीमाएं :— लोट जे०सी० 2 लोटे जे०डी०

पूरब में या पूरब की तरफ :—लोटे नं० 977 लोटे नं० 977

पश्चिम में या पश्चिम की तरफ :—नेताजी बोस मार्ग

उत्तर में या उत्तर की तरफ :—लोटे नं० 963 लोटे जे०सी०

दक्षिण में या दक्षिण की तरफ :—लोटे जे०डी० विवेकानन्द मार्ग

भार० पार्थसारथी

सक्षम प्राधिकारी

तारीख : 10-3-1975 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मोहर :

अर्जन रेंज धारवाड़

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, धारवाड़ का कार्यालय

धारवाड़ दिनांक 10 मार्च 1975

निर्देश सं० 72/74-75/एक्यू०—यतः, मुझे, आर० पार्थसारथी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, धारवाड़,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है, और जिसकी आर० एस० सं० 212 है जो भारत नगर, बेलगांव शहर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता/अधिकारी के कार्यालय, बेलगांव में डाक्यूमेंट सं० 1403/74-75 के अन्तर्गत 28 अगस्त 1974 के दिन भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री कृष्ण परशुराम हलगेकर और
- (2) श्री अप्पाजी परशुराम हलगेकर, खास बाग, बेलगांव। (अन्तरक)

2. श्री शंकर गुंडप्पा भडगांवी, बाजार, गल्ली, घर सं० 50, खास बाग, बेलगांव। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप, :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

तीन मंजिलों का एक इमारत जिसका आर० एस० सं० 212 है, जो प्लॉट नं० 60 और 61 पर खड़ा है और जो बेलगांव शहर मुनिसिपल हद्द के भारत नगर में है, जिसकी सीमाएं इस प्रकार हैं:—

- पूर्व में : 20' का रास्ता।
- पश्चिम में : बेलगांव-वडगांव रास्ता।
- दक्षिण में : प्लॉट सं० 61 में काकूबाई टपाले की आस्ती और,
- उत्तर में : श्री अवेसिन् मस्करणास के बिल्डिंग।

आर० पार्थसारथी,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, धारवाड़।

दिनांक : 10 मार्च 1975।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज

Kakinada, the 13th March 1975

J. No. I(64 to 70/VSP/74-75/Acq. File No. 172.—

यतः मुझे K. Subbarao

अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 3-121A and 3-122 Vantithadiagraharam है, जो Guntur में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, Vijayanagaram में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-7-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय said Act के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या said Act या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः, अब, धारा 269-ग of the said Act के अनुसरण में, मैं said Act की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः—

- (1) Dara Satya Sundar 2. Dara Krishna Kumar 3. Dara Raja Gopal 4. Dara Badrinath 5. Dara Venu Madhav and 7. Dara Srinivas being minor by guardian father Dara Venkata-Surya Prakasa Ramarao.

(2) Shri A. Narayudu, Factory Manager  
M/s Sarvaraya Textiles Ltd., Vantitadi Agraharam,  
Vizianagaram Taluk.

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो said Act के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

Visakhapatnam District—Vizianagaram Taluk—Vizianagaram Sub-Registrar—Vantitadi Agraharam—Vantitadi Village—R. S. Nos. 70 and 66 48/40—Pump House building with the equipment and the appertinent site with the pipe line. There is a pacca well built with stone and mortar —Door Nos. 3-121A and 3-122—Asst. No. 383.

BOUNDRIES :—

East : Site of Sri A. Armulu.

South : Gorja between this site and Pavanchalu Koneru.

West : Wet lands of Sri Kimidi Pudithalli etc.

North : Wet lands of Sri Kimidi Pydithalli etc.

K. SUBBARAO.

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज,

Kakinada.

Date : 13-3-1975.

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 3 मार्च 1975

निर्देश सं० ए० पी० 712/74—यतः, मुझे, राविन्द्र कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं०जैसे अनुसूची

में दिया है नवां शहर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकाारी के कार्यालय नवां शहर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुलाई 1974 को.

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आम्तिओं को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुकरण में, मैं, उक्त

अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती हरबन्स कौर पुत्री दलीप सिंह, गांव सरहाल काजीआं। (अन्तरक)

2. श्री हरबन्स सिंह पुत्र श्री दलीप सिंह, गांव सरहाल काजीआं। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गांव सरहाल काजीआं में 23 कनाल 6 मरले भूमि जिसका पूर्ण रूप जुलाई 1974 के, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकाारी नवां शहर के वसीका नं०, 2367 में दर्ज है।

राविन्द्र कुमार,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, जालंधर।

दिनांक : 3 मार्च 1975।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 3 मार्च 1975

निर्देश सं० ए० पी० 713/74—यतः, मुझे, राविन्द्र कुमार, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० जैसा अनुसूची में दिया है और जो शाहकोट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय शाहकोट में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुलाई 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :

1. श्री हरी सिंह पुत्र श्री सुन्दर सिंह गांव गट्टी पीर बक्स त० नकोदर। (अन्तरक)

2. श्री शंगारा सिंह पुत्र श्री बन्ता सिंह, गांव गट्टी पीर बक्स, तहसील नकोदर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन का अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, सही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन 33 कनाल 14 मरले जिसका पूर्ण रूप जुलाई, 1974 के रजिस्ट्रीकर्ता शाहकोट के बसीका नं० 843 में दिया है।

राविन्द्र कुमार,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, जालन्धर।

दिनांक : 3 मार्च 1975।

मोहर।



प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 3 मार्च 1975

निर्देश सं० ए० पी० 714-74—यतः, मुझे, राविन्द्र, कुमार, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है। की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि उक्त सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रुपये से अधिक है और जिसकी सं० जैसा अनुसूची में दिया है और जो जैसा अनुसूची में दिया है में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फिलौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुलाई 1974 को को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए रजिस्ट्रीकरण विवेका के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच लय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से अन्तरण लिखित में दायमधिक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए सुझाव बनाना ; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य मास्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  
3-6GI/75

1. श्री किशोरी लाल पुत्र श्री मुख्तार राज अग्रवाल,  
वासी फिलौर जिला जालन्धर। (अन्तरक)

2. श्री गुरदेव सिंह पुत्र उधम सिंह, गांव तेंग तहसील  
फिलौर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रति आक्षेप यदि कोई तो हो

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम-लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दा और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गांव लच्छोवाल में भूमि जिसका पूर्ण रूप रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फिलौर के जुलाई 1974 के वसीका नं० 2013 में दर्ज है।

राविन्द्र कुमार,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, जालन्धर।

दिनांक 3 मार्च 1975  
मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 3 मार्च 1975

निर्देश सं० ए० पी० 715-74—यतः, मुझे, राविन्द्र कुमार, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा अनुसूची में दिया है और जो जैसा अनुसूची में दिया है में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुलाई 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

प्रतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. बखतावर सिंह पुत्र सतनाम सिंह गांव पडासा माधोबाला त० जालन्धर। (अन्तरक)

2. (i) नरेंद्र सिंह पुत्र जगन सिंह,  
वासी सिधवान और

(ii) अबतार सिंह पुत्र करनेल सिंह,  
वासी बाट, तहसील नकोदर। (अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्ष, :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

70 कनाल भूमि जिसका पूर्णरूप रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर के जुलाई 1974 के वसीका नं० 4831 में दर्ज है।

राविन्द्र कुमार,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जालन्धर।

दिनांक : 3 मार्च 1975।

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 169-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण

अर्जन रेज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 3 मार्च 1975

निर्देश सं० ए० पी० 716/74—यतः, मुझे, राविन्द्र कुमार आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा अनुसूची में दर्ज है और जो जैसा अनुसूची में दर्ज है में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ग्राहकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुलाई 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय किया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दागित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री हरी सिंह पुत्र सुन्दर सिंह, वासी गट्टी पीर बक्स, तहसील नकोदर। (अन्तरक)

2. श्री प्यारा सिंह बगैरा पुत्र बन्ता सिंह वासी गट्टी पीर बक्स। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पारा लिखित में किए जा सकेंगे।

रजिस्ट्रीकरण:—उपरोक्त प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि 25 कनाल 5 मरले, जिसका पूर्ण रूप रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी ग्राहकोट के जुलाई 1974 के वसीकानं० 846 में दर्ज है।

राविन्द्र कुमार,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, जालन्धर।

दिनांक : 3 मार्च 1975।  
मोहर

प्रारूप आई० टी० एन० एन०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 169-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 3 मार्च 1975

निर्देश सं० ए० पी० 717/74—यतः, मुझे, राबिन्द्र कुमार, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा अनुसूची में दिया है और जो जैसा अनुसूची में दिया है में स्थित है (और इससे उपायवत् अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भुंगा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुलाई 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री नरेन्द्र कुमार पुत्र श्री बूटा सिंह, गांव डेहरी वाला जिला होशियारपुर। (अन्तरक)

2. श्री क० महेन्द्र सिंह पुत्र श्री किशन सिंह, ग, श्री सतपाल पुत्र श्री जगजीत सिंह, व गुरप्रीत सिंह पुत्र श्री गुर-चरन सिंह वासी झंजी पिन्ड। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गांव डेहरी वाला में 42 कनाल 17 मरले भूमि जिसका पूर्ण रूप रजिस्ट्रीकर्ता भुंगा के जुलाई 1974 के वसीका नं० 627 में दर्ज है।

राबिन्द्र कुमार,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जालन्धर।

दिनांक : 3 मार्च 1975  
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 169-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षक)

अर्जन रेंज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 3 मार्च 1975

निर्देश सं० ए० पी० 718/74—यतः, मुझे, राविन्द्र कुमार, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा अनुसूची में दिया है और जो जैसा अनुसूची में दिया है में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भुंगा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुलाई 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सुखविन्दर सिंह पुत्र श्री बूटा सिंह, वासी डेहरी-वाला जिला होशियारपुर। (अन्तरक)
2. क. श्री सतपाल सिंह पुत्र श्री अगजीत सिंह,  
ख. महेन्द्र सिंह व गुरप्रीत सिंह पुत्र गुरचरण सिंह,  
वासी संजी पिन्ड, जिला होशियारपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होना जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गांव डेहरी वाला में 42 कनास 17 मरले भूमि जिसका पूर्ण रूप रजिस्ट्रीकर्ता भुंगा के जुलाई 1974 के वसीका नं० 628 में दर्ज है।

राविन्द्र कुमार,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 3 मार्च 1975

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 169-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज का जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 3 मार्च 1975

निर्देश सं० ए० पी० 719/74—यतः, मुझे, आर० के० पठानिया, आयकर अधिनियम 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा अनुसूची में दिया है और जो जैसा अनुसूची में दिया है में स्थित है (और उससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भुंगा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुलाई 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था छिपाने के में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री नरेन्द्र सिंह पुत्र श्री बूटा सिंह जगदीप कौर पत्नी बूटा सिंह, गांव डेहरी वाला जिला होशियारपुर।

(अन्तरक)

2. श्री मनजीत सिंह पुत्र श्री किशन सिंह, सन्तोख सिंह पुत्र श्री जगजीत सिंह, और गुरपाल सिंह पुत्र श्री गुरचरन सिंह, गांव झंजी पिन्ड जिला होशियारपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—हमने प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गांव डेहरी वाला में जमीन जिसका पूर्ण रूप रजिस्ट्रीकर्ता भुंगा के जुलाई 1974 के वसीका नं० 629 में दिया है।

आर० के० पठानिया,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 3 मार्च 1975।

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 169-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 3 मार्च 1975

निर्देश सं० ए० पी० 720/74—यतः, मुझे, आर० के० पठानिया,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा अनुसूची में दिया है और जो जैसा अनुसूची में दिया है में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भुंगा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुलाई 1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री सुखविन्द सिंह पुत्र श्री बूटा सिंह मुख्त्यार ग्राम, कुमारी जगवीर कौर और धर्मवीर कौर, गांव डेहरी वाला जिला होशियारपुर। (अन्तरक)

2. (1) श्री मनजीत सिंह पुत्र श्री किशन सिंह,  
(2) श्री सन्तोख सिंह पुत्र श्री जगजीत सिंह और  
(3) श्री गुरपाल सिंह पुत्र श्री गुरचरन सिंह,  
गांव झंजी पिन्ड। (अन्तरिती)

यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

जमीन जिसका पूर्ण रूप रजिस्ट्रीकर्ता भुंगा के जुलाई 1974 के वसीका नं० 630 में दिया है।

आर० के० पठानिया,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 3 मार्च 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ख (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 3 मार्च 1975

निर्देश सं० ए० पी० 721-74—यतः, मुझे, आर० के० पठानिया,  
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० जैसा अनुसूची में दिया है और जो जैसा  
अनुसूची में दिया है में स्थित है (और इससे उपाय अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, होशियारपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन दिनांक जुलाई 1974  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित  
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त  
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन  
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या  
उससे बचने में सुविधा के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) या अन्तर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट  
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
के लिए सुकर बनाना ;

अतः अब, उक्त अधिनियम धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, आयकर अधिनियम, की धारा 269-ख की  
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री बन्ता सिंह पुत्र श्री ज्वाला सिंह, गुरु नानक  
नगर, होशियारपुर। (अन्तरक)
2. श्री हरवन्त सिंह पुत्र श्री हुकम सिंह, मुहल्ला बहादुर-  
पुर, होशियारपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन  
के लिये एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय  
20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो  
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बांघ सुतेहरी खुर्द में जमीन जिसका पूर्ण रूप रजिस्ट्री-  
कर्ता होशियारपुर के जुलाई 1974 के वसीका नं०  
1764 में दर्ज है।

आर० के० पठानिया,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक: 3 मार्च 1975

मोहर:



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन, रेंज जालन्धर

जालन्धर दिनांक 3 मार्च 1975

निर्देश सं० ए० पी० 722-74—यतः, मुझे, आर० के० पठानिया, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैरा अनुसूची में दिया है और जो सुतेहरी खुर्द होशियारपुर स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय होशियारपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुलाई 1974 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तर्गत की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तर्ग (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या इसमें बचने में सुविधा के लिए सुकर बनाना और या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आम्नियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, में सुविधा के लिए सुकर बनाना

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः —

1. श्री बन्ता सिंह पुत्र श्री जवाला सिंह, गुरु नानक नगर, होशियारपुर। (अन्तरक)

2. कुमारी मनजीत मंधू पुत्री श्री दलीप सिंह, सुतेहरी खुर्द, होशियारपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गांव सुतेहरी खुर्द में जमीन जिसका पूर्ण रूप रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी होशियारपुर के जुलाई 1974 के वसीका नं० 1741 में दर्ज है।

आर० के० पठानिया,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 3 मार्च 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 3 मार्च 1975

निर्देश सं० ए० पी० 723-74—यतः, मुझे, धार० के० पठानिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० जैसा अनुसूची में दिया है और जो होशियारपुर में स्थित है (और इससे उगावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, होशियारपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांकक जुलाई 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित लक्ष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

1. सर्वश्री मोहन सिंह, देवा सिंह पुत्रगण श्री उत्तम सिंह गांव उच्चा तहसील जालन्धर। (अन्तरक)

2. (1) श्री करनेल सिंह पुत्र श्री अमर सिंह,  
(2) श्री अमरीक सिंह पुत्र श्री करनेल सिंह और  
(3) श्रीमती सुरिन्द्र कोर पत्नी करनेल सिंह, गांव रैहसीबाल, तहसील होशियारपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अजरम गांव में 39 कनाल 19 मरला जमीन जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी होशियारपुर के जुलाई 1974 के वसीका नं० 1901 में दर्ज है।

धार० के० पठानिया,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक 3 मार्च 1975।  
मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज जालन्धर का कार्यालय

जालन्धर, दिनांक 3 मार्च 1975

निर्देश सं० ए० पी० 724-74—यतः, मुझे, रविन्द्र कुमार, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये में अधिक है और जिसकी सं० जैसे अधिसूचना में दिया है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में

और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, होशियारपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुलाई 1974 को पब्लिश सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुकरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री ठाकर राम पुत्र श्री मंगल राम, पुत्र श्री भल्सा राम वासी चक गुजरां, जिला होशियारपुर। (अन्तरक)

2. श्री गुरदेव सिंह, बलदेव सिंह व सुखदेव सिंह पुत्र श्री सोहन सिंह पुत्र दलीप सिंह, वासी नसराला जिला होशियारपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गांव चक्क गुजरां में 58 कनाल भूमि जिसका पूर्ण रूप रजिस्ट्रीकर्ता होशियारपुर के जुलाई 1974 के वसीका नं० 1986 में दर्ज है।

रविन्द्र कुमार,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, जालन्धर।

दिनांक : 3 मार्च 1975।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 3 मार्च 1975

निर्देश सं० ए० पी०-725-74—यतः, मुझे, रविन्द्र कुमार, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैना अनुसूची में 1974 में तथा जो जैना अनुसूची में दिया है में स्थित है (आर इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय होशियारपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुलाई 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्री सुर्जीत सिंह पुत्र श्री रतन सिंह वासी छावनी कलां तहसील होशियारपुर। (अन्तरक)

2. श्री जगन सिंह पुत्र श्री आत्म सिंह, गांव बिनपाल-कोनी नंगल थाना करतारपुर, तहसील जालन्धर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निम्न कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, सही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

छावनी नगर में 62 कनाल 2 मरले भूमि जिसका पूर्ण रूप जुलाई 1974 के रजिस्ट्रीकर्ता होशियारपुर के वसीका नं० 1912 में दर्ज है।

रविन्द्र कुमार,  
संक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, जालन्धर।

दिनांक : 3 मार्च 1975।

मोहर :

**SUPREME COURT OF INDIA  
(ADMN. BRANCH I)**

New Delhi, the 3rd March 1975

No. F. 6/75-SCA(I).—Pursuant to the orders of the Hon'ble the Chief Justice of India Shri V. K. Thapar continues to officiate as Section Officer with effect from 1st March, 1975 to 23rd April, 1975 *vice* Shri G. Natesan, Offg. Section Officer granted leave.

T. K. MAHADEVARAO,  
Deputy Registrar (Admn.)

New Delhi, the 7th March 1975

No. F. 6/75-SCA(I).—The Hon'ble the Chief Justice of India has been pleased to place the services of Shri R. N. Joshi, Section Officer, Supreme Court of India, at the disposal of the Commission of Inquiry appointed under the Chairmanship of Hon'ble Mr. Justice K. K. Mathew, Judge, Supreme Court of India to enquire into the incidents of explosions at Samastipur on 2-1-1975 and matters connected therewith with effect from the afternoon of 7 March 1975, until further orders, for appointment as Secretary to the said Commission. The terms and conditions of his appointment are contained in the Ministry of Home Affairs letter No. I-12014/5/75-S&P-(DIII) dated 7 March 1975.

S. K. GUPTA,  
Registrar (Admn.)

**UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION**

New Delhi-110011, the 12th March 1975

No. A. 12019/6/74-Admn. II.—In continuation of Union Public Service Commission notification of even number dated 11-12-74, the Chairman, Union Public Service Commission, hereby appoints Shri B. S. Jain, a permanent Selection Grade Officer of the C.S.S.S. cadre of the Union Public Service Commission and officiating as Section Officer on deputation from the C.S.S.S. cadre in the Commission's Office, to officiate, on an *ad-hoc* basis, as Special Assistant to Chairman, for a further period of six months with effect from 1-3-75 or till the post is filled on a regular basis, whichever is earlier.

Shri B. S. Jain will be on deputation to an ex-cadre post of Special Assistant to the Chairman, Union Public Service Commission and his pay will be regulated in accordance with the provisions contained in the Ministry of Finance O.M. No. F. 10(24)-E. III dated the 4th May, 1961, as amended from time to time.

P. N. MUKHERJEE,  
Under Secretary,  
for Chairman  
Union Public Service Commission.

New Delhi-110011, the 27th February 1975

No. A. 32013/1/75-Admn. I.—Shri K. S. Kacker, a permanent officer of the Section Officers' Grade of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, appointed to officiate in Grade-I of the Service, *vide* this office Notification No. 32013/1/75-Admn. I dated 7-2-1975 relinquished charge of the office of Under Secretary, Union Public Service Commission, with effect from the afternoon of 15th February, 1975.

2. On his reversion, Shri K. S. Kacker, resumed charge of the office of Section Officer, Union Public Service Commission with effect from the afternoon of the 15th February, 1975.

No. A. 32013/1/75-Admn. I.—Shri B. R. Verma, a permanent officer of the Section Officers' Grade of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, appointed to officiate in Grade I of the Service, *vide* this office Notification No. 32013/1/75-Admn. I dated 22nd February, 1975 relinquished charge of the office of Under Secretary, Union Public Service Commission with effect from the afternoon of 15th February, 1975.

2. On his reversion, Shri B. R. Verma, resumed charge of the office of Section Officer, Union Public Service Commission with effect from the afternoon of the 15th February, 1974

P. N. MUKHERJEE,  
Under Secretary,  
Union Public Service Commission.

New Delhi-110011, the 31st January 1975

No. A. 38014/2/74-Admn. III.—The President is pleased to permit Shri Kartar Singh Datta, a permanent Assistant and officiating Section Officer of the C.S.S. cadre of the Union Public Service Commission, to retire from Govt. service, on attaining the age of superannuation, with effect from the afternoon of the 31st January, 1975 in terms of Department of Personnel O.M. No. 33/12/73-Ests. (A) dated the 24th November, 1973.

The 1st March 1975

No. A. 32013/1/75-Admn. I.—The President is pleased to appoint Shri J. B. Gupta, a permanent officer of Grade I of the Central Secretariat Service to officiate in the Selection Grade of the Service for a further period of 2 months with effect from 11-2-1975 to 10-4-1975 (both days inclusive) or until further orders, whichever is earlier.

The 10th March 1975

**CORRIGENDUM**

No. A. 12025(ii)/1/72-Admn. III.—The word "afternoon" appearing in the seventh line of this office notification of even number dated the 24th February, 1975 shall be read as "forenoon".

P. N. MUKHERJEE,  
Under Secretary,  
Incharge of Administration  
Union Public Service Commission.

**CABINET SECRETARIAT  
DEPARTMENT OF PERSONNEL &  
ADMINISTRATIVE REFORMS  
CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION**

New Delhi-110001, the 11th March 1975

No. A-19021/3/75-AD. V.—The President is pleased to appoint on deputation Shri V. P. Bhatnagar, I.P.S. (Rajasthan-1963-RR) as Supdt. of Police in the Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment with effect from the forenoon of 12th February, 1975 until further orders.

G. L. AGARWAL,  
Administrative Officer (B)  
C.B.I.

**DIRECTORATE OF ENFORCEMENT  
(Department of Personnel)**

New Delhi, the 17th January 1975

**APPOINTMENTS**

No. A-11/61/74.—Shri P. V. Patwardhan, Inspector Central Excise, Allahabad is appointed as Enforcement Officer in the Varanasi sub-zonal office of this Directorate, with effect from 10-1-1975 and until further orders.

The 8th January 1975

No. A-11/59/74.—Shri D. D. Sharma, Inspector, Income Tax, Amritsar is appointed as Enforcement Officer in the Jullundur Sub-Zonal Office of this Directorate, with effect from 20-12-74 (F.N.) and until further orders.

The 4th February 1975

No. A-11/1/75.—Shri R. K. Garg, Inspector, Income Tax, New Delhi is appointed as Enforcement Officer in Delhi Zonal Office of this Directorate, with effect from 28-1-75 (F.N.) and until further orders.

NRIPEN BAKSI,  
Deputy Director

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi-11, the 27th February 1975

No. 5/29/71-RG(Ad. I).—Consequent on his selection for deputation as Expert in demography to the Government of Afghanistan under the I.T.E.C. Programme of the Ministry of External Affairs, Shri R. D. Agrawal relinquished the charge of the post of Senior Research Officer in the office of the Registrar General

India with effect from the afternoon of 20 February 1975.

The 4th March 1975

No. 11/3/75-Ad. I.—The President is pleased to replace the services of Shri P. S. Tandon, Deputy Director of Census Operations, Uttar Pradesh at the disposal of the Government of Uttar Pradesh with effect from the afternoon of 5 February 1975.

The President is also pleased to replace the services of Shri B. H. Bhate, Assistant Director of Census Operations, Maharashtra at the disposal of the Government of Maharashtra with effect from the forenoon of 30 January 1975.

No. P/T(1)-Ad. I.—The President is pleased to appoint Shri R. R. Tripathi, Research Officer (Map) in the office of the Registrar General, India in a substantive capacity in that post with effect from 1 March 1975.

BADRI NATH,  
Deputy Registrar General,  
*ex-officio* Deputy Secretary.

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I,  
4/14A, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR,  
NEW DELHI

New Delhi, the 14th March 1975

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/Sept.I/389(7)/74-75/9000.—Whereas I, D. B. LAL, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter, referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 7 (Part marked) EF-G-H) situated at Prithvi Raj Road, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi on 3-9-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, of the said Act, I hereby initiate proceedings to the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Glaridges Hotel (P) Ltd., 12, Aurangzeb Road, New Delhi, through Sh. Mahadev Prasad S/o Late Gokal Chand, R/o 21-A, Aurangzeb Road, New Delhi. (Transferor)

(2) M/s. Skyways Properties (P) Ltd. C-96, South Extension Part-II, New Delhi, Through Rahendra Prasad Jain, R/o. C/96, South Extension Part-II, New Delhi-49. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the Service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A portion of plot of land No. 20 (Marked parts E, F, G & H) in block No. 1 now known as 7, Prithvi Raj Road (towards Ratendone Road), New Delhi. mg. 2429.59 sq. yds. (128'-7 1/2"×170') being a part out of the total area of 4859-17 sq. yds. situated in the Union Territory of Delhi and bounded as under on the :—

North-East : By part C & D of the said premises.  
South-West : By plot No. 9 Prithvi Raj Road, now known as 44A, Ratendone Road.  
North-West : By land of Rajasthan Govt.  
South-East : By Ratendone Road.

D. B. LAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
New Delhi.

Date : 14-3-1975  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
4/14A, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR,  
NEW DELHI

New Delhi, the 14th March 1975

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/Sept.I/387(5)/74-75/9002.—Whereas, I, D. B. LAL, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 7 (Part marked 'C') situated at Prithvi Raj Road, New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 3-9-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) **Claridges Hotel (P) Ltd.**,  
12, Aurangzeb Road New Delhi,  
Through Shri Mahadev Prasad,  
R/o 21-A, Aurangzeb Road, New Delhi.  
(Transferor)
- (2) **Shri Nemi Chand Jain.**  
S/Shri Kundan Lal Jain,  
R/o A2/25, Safdarjang Enclave,  
New Delhi-16.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this Notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A portion of plot of land No. 20 (Marked part C) in Block 1, now known as 7, Prithvi Raj Road, New Delhi (towards Ratendone Road) mg. about 574.93 sq. yards, (60'10 1/2" X 85') being a part out of the total area of 4859.17 sq. yards situated in the Union Territory of Delhi and bounded as under on the :—

North-east By part A of the said premises.  
South-west By part E of the said premises.  
North-west By part D of the said premises.  
South-east By Ratendone Road.

D. B. LAL  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I.

Date : 14-3-1975

Seal :



## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I,  
4/14A, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR,  
NEW DELHI

New Delhi, the 14th March 1975

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/Sept.I/398(17)/74-75/9004.—Whereas, I, D. B. LAL, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25 000/- and bearing No. 7 (Part marked 'D') situated at Prithvi Raj Road, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi on 9-9-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) or the Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Claridges Hotel (P) Ltd.,  
12, Aurangzeb Road, New Delhi,  
Through Shri Mahadev Prasad,  
R/o 21-A, Aurangzeb Road, New Delhi.  
(Transferor)

(2) Shri Mahendra Prasad Jain,  
S/o Late Shri Maharaj Prasad Jain,  
R/o Dalmia Nagar, Bihar.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A portion of plot of land No. 20 (Marked Part D) in Block 1, known as 7, Prithvi Raj Road, towards Ratendone Road, New Delhi me. about 574.93 sq. yds. (60'-10 1/2" x 85') being a part out of the total area of 4859.17 sq. yds. situated in the Union Territory of Delhi and bounded as under on the :—

North-East : By part B of the said premises.  
South-East : By part F of the said premises.  
North-West : By land of Rajasthan Govt.  
By part C of the said premises.

D. B. LAL  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,

Date : 14-3-1975

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-  
MISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I,  
4/14A, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR,  
NEW DELHI

New Delhi, the 14th March 1975

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/Sept.I/388(6)/74-75/9006.—Whereas I, D. B. LAL, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 7 (Part marked 'B') situated at Prithvi Raj Road, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi on 3-9-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings to the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of the section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Claridges Hotel (P) Ltd.,  
12, Aurangzeb Road, New Delhi, through  
Shri Mahadev Prasad S/o Late Gokal Chand,  
R/o 21-A, Aurangzeb Road, New Delhi.  
(Transferor)

- (2) Smt. Padma Rani Jain,  
W/o Shri Rajendra Prasad Jain,  
R/o C-96, South Extension Part-II,  
New Delhi-49.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same, meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A portion of plot of land No. 20 (Marked Part B) in Block No. I, known as 7, Prithvi Raj Road (towards Ratondone Road) New Delhi mg. about 639.86 sq. yds. (67'-9"×85') being a part out of the total area of 4859.17 sq. yards situated in the Union Territory of Delhi and bounded as under on the :—

North-east : By Plot No. 5 on Prithvi Raj Road.  
South-west : By Plot D of the said premises.  
North-west : By land of Rajasthan Govt.  
South-east : By Part A of the said premises.

D. B. LAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
New Delhi.

Date : 14-3-1975  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-  
MISSIONER OF INCOME-TAX,  
**ACQUISITION RANGE-I,**  
4/14A, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR,  
NEW DELHI

New Delhi, the 14th March 1975

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/Sept.I/397(16)/74-75/  
9008—Whereas, I, D. B. LAL,  
being the competent authority under Section 269B of the  
Income-tax, Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter re-  
ferred to as the 'said Act'), have reason to believe that  
the immovable property, having a fair market value  
exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 7 (Part Marked 'A')

situated at Prithvi Raj Road, New Delhi

(and more fully des-

cribed in the Schedule annexed hereto), has been transferred  
under the Registration Act,1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Delhi on 9-9-74,

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed  
to between the parties has  
not been truly stated in the said instrument of transfer  
with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the  
liability of the transferor to pay tax under the  
Act in respect of  
any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or which  
ought to be disclosed by the transferee for the pur-  
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) of the said Act or  
the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said  
act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of section 269D of the said act to the  
the following persons, namely :—

(1) M/s. Claridges Hotel (P) Ltd.,  
12, Aurangzeb Road, New Delhi, through  
Shri Mahadev Prasad S/o Late Gokal Chand,  
R/o 21-A, Aurangzeb Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Brijeshwar Prasad Jain,  
S/o Late Sh. Maharaj Prasad Jain,  
R/o Dalmia Nagar, Bihar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A portion of plot of land No. 20 (Marked Part A) in  
Block No. 1, now known as 7, Prithvi Raj Road, (towards  
Ratendone Road), New Delhi mg. 639.86 sq. yds.  
(67'-9"×85') being a part out of the total area of  
4859.17 sq. yds. situated in the Union Territory of Delhi  
and bounded as under on the :—

North-east : By Plot No. 5 on the Prithvi Raj Road.

South-west : By Part C of the said premises.

North-west : By part B of the said premises.

South-east : By Ratendone Road.

D. B. LAL

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-I,

New Delhi.

Date : 14-3-1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Amarjit Singh S/o Shri Sant Singh,  
R/o H-57, Rajouri Garden, New Delhi,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-  
MISSIONER OF INCOME-TAX,(2) Smt. Trishla Ram Jain,  
W/o Shri Bhopal Singh Jain,  
R/o 225, Lal Pura, Itwah (U.P.).

(Transferee)

ACQUISITION RANGE-II,  
4/14A, A. A. ROAD, 3RD FLOOR,  
NEW DELHIObjections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

New Delhi, the 13th March 1975

Ref. No. IAC/Acq.II/811/74-75/9030.—Whereas, I,  
C. V. GUPTE,being the Competent Authority under section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to  
believe that the immovable property, having a fair market  
value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.  
D-8 situated at Rajouri Garden, New Delhi  
(and more fully described in the Schedule annex-  
ed hereto), has been transferred under the Registration Act,  
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Delhi on 5-12-1974,for an apparent consideration which is less  
than the fair market value of the aforesaid property and  
I have reason to believe that the fair market value of the  
property as aforesaid exceeds the apparent consideration  
therefor by more than fifteen percent of such apparent  
consideration and that the consideration for such trans-  
fer as agreed to between the parties has not been truly stated  
in the said instrument of transfer with the object of :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are  
defined in Chapter XXXA of the said Act.  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

## THE SCHEDULE

1/4th undivided share in property bearing Plot No.  
D-8, measuring 1/4th of 1960 sq. yds. i.e. 490 sq. yds.  
situated in the colony known as Rajouri Garden bounded  
as under :—North : Subsidiary Road  
South : Road  
East : House on Plot No. 9  
West : House on Plot No. 7(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said act  
in respect of any income  
arising from the transfer; and/or(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or which  
ought to be disclosed by the transferee for the pur-  
pose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957).Now, therefore in pursuance of section 269C, of the said  
act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub  
section (1) of section 269D of the said Act, to the following  
persons namely :—

C. V. GUPTE

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-II,

New Delhi

Date : 13th March, 1975

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Kartar Singh S/o Shri Sant Singh,  
R/o H-57, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Bhopal Singh Jain,  
Shri Mukhtiar Singh Jain,  
R/o 225, Lal Pura, Itwah (U.P.).

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-  
MISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II,  
4/14A, A. A. ROAD, 3RD FLOOR,  
NEW DELHI

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of  
30 days from the service of notice on the res-  
pective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said  
immovable property within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the  
Official Gazette.

New Delhi, the 13th March 1975

Ref. No. IAC/Acq.II/810/74-75/9028.—Whereas, I,  
C. V. GUPTE,

being the competent authority

under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of  
1961) (hereinafter referred as 'said Act') have reason to  
believe that the immovable property, having a fair market  
value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. D-8 situated at Rajouri Garden, New Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed  
hereto), has been transferred under

the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office  
of the registering officer at Delhi on 5-12-1974,  
for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the  
aforesaid property and I have reason to believe that the fair  
market value of the property as aforesaid, exceeds the  
apparent consideration therefor by more than fifteen per cent  
of such apparent consideration and that the consideration for  
such transfer as agreed to between parties has not been truly  
stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the  
transferor to pay tax under the said Act in respect  
of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or  
any moneys or other assets which have not  
been or which ought to be disclosed by the  
transferee for the purposes of the Indian  
Income Tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act  
or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said  
act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under  
sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the  
following persons, namely :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are  
defined in Chapter XXA of the said Act shall  
have the same meaning as given in that  
Chapter.

## THE SCHEDULE

1/4th undivided share in property bearing Plot No.  
D-8, measuring 1/4th of 1960 sq. yds. i.e. 490 sq. yds.  
situated in the colony known as Rajouri Garden bounded  
as under :—

North : Subsidiary Road  
South : Road  
East : House on Plot No. 9  
West : House on Plot No. 7

C. V. GUPTE  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
New Delhi

Date : 13th March, 1975

Seal :

## FORM ITNS—

(2) Smt. Singari Devi w/o Shri Mukhtiar Singh,  
R/o 225, Lal Pura, Itawah (U.P.).

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-  
MISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE II,  
4/14A, A. A. ROAD, 3RD FLOOR,  
NEW DELHI

New Delhi, the 13th March 1975

Ref. No. IAC/Acq. II/809/74-75/9026.—Whereas, I,  
C. V. GUPTA,being the Competent Authority,  
under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)  
(hereinafter referred to as the 'said Act')have reason to believe that the immovable property, having  
a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
No. D-8 situated at Rajouri Garden, New Delhi  
(and more fully described inthe Schedule annexed hereto), has been transferred  
under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office  
of the Registering Officer at  
Delhi on 5-12-1974,for an apparent consideration which is  
less than the fair market value of the aforesaid property and  
I have reason to believe that the fair market value of the  
property as aforesaid exceeds the apparent consideration there-  
for by more than fifteen per cent of such apparent considera-  
tion and that the consideration for such transfer as agreed  
to between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Hari Singh S/o Shri Sant Singh,
- 
- R/o H-67, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/4th undivided share in property bearing Plot No. D-8, measuring 1/4th of 1960 sq. yds. i.e. 490 sq. yds. situated in the colony known as Rajouri Garden bounded as under :—

North : Subsidiary Road  
South : Road  
East : House on Plot No. 9  
West : House on Plot No. 7

C. V. GUPTA

Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
New Delhi

Date : 13th March, 1975

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Bhopal Singh Jain,  
S/o Shri Mukhtiar Singh Jain,  
R/o 255, Lal Pura, Itwah (U.P.).

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-

MISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE III,

4/14A, A. A. ROAD, 3RD FLOOR,

NEW DELHI

New Delhi, the 13th March 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. IAC/Acq.II/74-75/808/9024.—Whereas, I, C. V. GUPTE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. D-8 situated at Rajouri Garden, New Delhi (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 5-12-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Balbir Singh S/o Shri Sant Singh,  
R/o H-67, Rajouri Garden, New Delhi.  
(Transferor)

Date : 13th March, 1975  
Seal :

## THE SCHEDULE

1/4th undivided share in property bearing Plot No. D-8, measuring 1/4th of 1960 sq. yds. i.e. 490 sq. yds. situated in the colony known as Rajouri Garden bounded as under :—

North : Subsidiary Road

South : Road

East : House on Plot No. 9

West : House on Plot No. 7

C. V. GUPTE  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
New Delhi.

**FORM ITNS—**  
**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-**  
**TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**  
**GOVERNMENT OF INDIA**  
**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-**  
**MISSIONER OF INCOME-TAX,**  
**ACQUISITION RANGE,**  
**DHARWAR**  
Dharwar, the 10th March 1975

Notice No. 73/74-75/ACQ.—Whereas, I, R. Parthasarathy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Dharwar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey Numbers 129, 130 and 131 and Matriz Numbers 743 and 2436 situated at Baina, Vasco-Da-Gama Town, Taluka-Marmagao, Goa, (and more fully

described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Marmagao under Document Number 202/74 on 30-8-74, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Chowgule & Company,  
Registered Office at Marmagao Harbour, Goa.  
(Transferor)
- (2) Shri Vijay Vishwasrao Chowgule,  
Vasco-Da-Gama, Goa.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

RESIDENTIAL BUILDING BEARING MATRIZ No. 743 STANDING ON THE LANDS DESCRIBED IN SCHEDULE "A" AND SCHEDULE "B" BELOW :—

#### SCHEDULE "A"

DESCRIPTION OF THE PROPERTY SITUATE AT BAINA IN THE TOWN OF VASCO DA GAMA TALUKA MORMUGAO.

Description	Area	Land Registry No.	Survey No.	Matriz No.
	1404.75 M <sup>2</sup>	37547	130	2436

Land known as "Patranga"  
Plot No. 977 (Corresponding  
To lot No. 56 of Old Plan)  
of Vasco-Da-Gama.

#### Boundaries

On or towards the east : Road  
On or towards the West : Lote JC & Lote JD  
On or towards the North : Lote No. 963  
On or towards the South : Vivekanand Marg

#### SCHEDULE "B"

Description of the Property situate at Baina in the town of Vasco-Da-Gama Taluka Mormugao.

Description	Area	Land Registry No.	Survey No.	Matriz No.
Land known as				
1. Lote JC	601.54 M <sup>2</sup>	Nil	129	Nil
2. Lote JD	589.54 M <sup>2</sup>	Nil	131	Nil
Boundaries			1, Lote JC	2, Lote JD
On or towards the east :			Lote No. 977	Lote No. 977
On or towards the west :			Nethaji Bose Marg	Nethaji Bose Marg
On or towards the North :			Lote No. 963	Lote JC
On or towards the South ;			Lote JD	Vivekanand Marg

**R. PARTHASARATHY**  
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Dharwar

Date : 10-3-1975

Seal :



## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-  
MISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
DHARWAR-4

Dharwar, the 10th March 1975

Notice No. 72/74-75/ACQ.—Whereas, I. R. Parthasarathy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Dharwar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing R. S. No. 212 situated at Bharat Nagar, Belgaum City (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Belgaum under Document No. 1403/74-75 on 28-8-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Krishna Parashuram Halagekar and  
2. Shri Appaji Parashuram Halagekar,  
Khasbag, Belgaum.

(Transferors)

- (2) Shri Shankar Gundappa Bhadagavi,  
Bazargalli, House No. 50, Khasbag, Belgaum.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the date of the publication of this notice in the respective persons which-ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A three storied building bearing R.S. No. 212 and standing on Plots No. 60 and 61 situate in Bharat Nagar, within the Municipal limits of Belgaum City and bounded :

- On the East : By 20' road.
- On the West : By Belgaum Vadagaon Road.
- On the South : By the property out of Plot No. 61 belonging to Kakubai Tapale; and
- On the North : By the building belonging to Shri Avelin Mascarenhas.

R. PARTHASARATHY

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Dharwar

Date : 10-3-1975

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-  
MISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
KAKINADA

Kakinada, the 13th March 1975

Ref. No. J. No. I(64 to 70)/VSP/74-75/Acq. File No. 172.—Whereas, I, K. Subbarao, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3-121A and 3-122 situated at Vantithadiagraharam (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayanagaram on 15-7-74, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

S/Shri

- (1) 1. Dara Satya Sundar,  
2. Dara Krishna Kumar,  
3. Dara Raja Gopal,  
4. Dara Badrinath,  
5. Dara Mohanarao,  
6. Dara Venu Madhav, and  
7. Dara Srinivas being minor by guardian father  
Dara Venkata Surya Prakasa Ramarao.  
(Transferor)
- (2) A. Narayudu,  
Factory Manager,  
M/s. Sarvaraya Textiles Ltd.,  
Vantithadi Agraharam Vizianagaram Taluk.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Visakhapatnam District—Vizianagaram Taluk—Vizianagaram Sub-Registrar—Vantitadi Agraharam—Vantitadi Village—R.S. Nos. 70 & 66 48/40 Pump House Building with equipment and the appertinent site with the pipe line. There is a pacca well built with stone and mortar—Door Nos. 3-121A and 3-122—Asst. No. 383.

## BOUNDARIES

East : Site of Sri A. Armulu.  
South : Gorja between this site and Pavanchalu Koneru.  
West : Wet land of Sri Kimidi Pydithalli etc.  
North : Wet lands of Sri Kimidi Pydithalli etc.

K. SUBBARAO  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kakinada

Date : 13-3-1975

Seal :

## FORM ITNS

(2) Shri Harbans Singh S/o Sh. Dalip Singh Vill. Sarhal Kazian, Teh. Nawanshehar.

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

(3) As per S. No. 2.  
(Person in occupation of the property)

## GOVERNMENT OF INDIA

(4) Any person interested in the lands.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Jullundur, the 3rd March 1975

Ret. No. AP-712-74.—Whereas, I, R. K. Pathania, being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agricultural lands 23 kanals and 6 marlas situated at Village Sarhal Kazian, Teh. Nawanshehar.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nawanshehar in July 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Kumari Harbans Kaur D/o Sh. Dalip Singh Vill. Sarhal Kazian P.S. Banga Teh. Nawanshehar Distt. Jullundur,

Agricultural lands measuring 23 kanals and 6 marlas situated at Vill. Sarhal Kazian, P. S. Banga, Teh. Nawanshehar Distt. Jullundur as mentioned in the Registration Deed No. 2367 of July 1974 of the Registering Authority Nawanshehar.

R. K. PATHANIA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 3-3-1975

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 3rd March 1975

Ref. No. AP-713-74.—Whereas, I. R. K. Pathania, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per Schedule over leaf.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Shahkot in July on 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Hari Singh S/o Sundarsingh,  
S/o Punjab Singh,  
Village Gatti Pirbax, Teh. Nakodar,  
Distt. Jullundur;  
(Transferor)
- (2) Shri Shangar Singh and others,  
Ss/o Banta Singh S/o Buta Singh,  
R/o Village Pirbax, Teh. Nakodar,  
Distt. Jullundur  
(Transferee)
- (3) As per S. No. 2,  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the lands.  
(Person whom the undersigned knows to be  
interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 33 kanals and 14 marlas situated at Village Gatti Pirbax as mentioned in Registration Deed No. 843 of July 1974 of the Registering Authority Shahkot, Distt. Jullundur.

R. K. PATHANIA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 3-3-1975

Seal :

## FORM ITNS—

(2) Shri Gurdev Singh S/o Udham Singh,  
Village Tehang, Teh. Phillaur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) As per S. No. 2.

(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the lands.

(Person whom the undersigned knows to be  
interested in the property)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-  
MISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, JULLUNDURObjections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

Jullundur, the 3rd March 1975

Ref. No. AP-714/74.—Whereas, I, R. K. Pathania, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per Schedule over leaf,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Phillaur in July 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Kishori Lal Aggarwal,  
S/o Mulkhraj Aggarwal,  
R/o Phillaur.

(Transferor)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any of the other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 59 kanals and 18 marlas situated at Village Bachhowal, Teh. Phillaur as mentioned in Registration Deed No. 2013 of July 1974 of Registering Authority Phillaur.

R. K. PATHANIA,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jullundur

Date : 3-3-1975

Seal :

FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 3rd March 1975

Ref No AP-715-74.—Whereas, I, R. K. Pathania, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural lands measuring 70 kanals situated at Bastiseikh (Jullundur).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in July 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Act, said to the following persons namely:—

- (1) Shri Bakhtawar Singh S/o Satnam Singh,  
Village Vadala Madhowala,  
Teh. Jullundur.

(Transferor)

- (2) 1. S/Shri Nairnder Singh S/o Jagat Singh,  
R/o Sidhwan, Teh. Nakodar, and

2. Shri Aytar Singh S/o Karnail Singh,  
S/o Bhagat Ram,  
R/o Bath, Teh. Phillaur.

(Transferee)

- \*(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

- (4) Any person interested in the lands.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agri. lands measuring 10 kanals situated at Bastiseikh (Jullundur) as mentioned in Registration deed No. 4831 of July, 1975 of Registering Authority Jullundur.

R. K. PATHANIA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jullundur

Date : 3-3-1975

Seal :

## FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-  
MISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 3rd March 1975

Ref. No. AP-716-74.—Whereas, I, R. K. Pathania, being the competent authority under section 296B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Agricultural land measuring 25 Kanal 5 marlas situated at Vill. Gatti Pirbax, Teh. Nakodar (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Shahkot in July 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Hari Singh S/o Shri Sunder Singh,  
Village Gatti Pirbax Teh. Nakodar.  
(Transferor)

- (2) Shri Piara Singh & others,  
Ss/o Banta Singh S/o Buta Singh,  
R/o Gatti Pirbax, Teh. Nakodar,  
Distt. Jullundur.

(Transferees)

- (3) As per S. No. 2.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the lands.  
(Person whom the undersigned knows to be  
interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein, as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agri. land measuring 25 kanals 5 marlas situated at Village Gatti Pirbax, Teh. Nakodar as mentioned in Registration Deed No. 846 of July 1975 of Registering Authority Shakot.

R. K. PATHANIA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jullundur

Date : 3-3-1975  
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(3) As per S. No. 2.

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(4) Any person interested in the lands.

(Person whom the undersigned knows to be  
interested in the property)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-  
MISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

Jullundur, the 3rd March 1975

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AP-717-74.—Whereas, I, R. K. Pathania,  
being the Competent Authority under Section  
269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961)  
(hereinafter referred to as the said Act),  
have reason to believe that the immovable property,  
having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
No. Agriculture land at Vill. Dehriwala measuring 42 kanals  
17 marlas situated at Vill. Dehriwala (and more fully des-  
cribed in the Schedule annexed hereto) has been transferred  
under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the office of Registering Officer at  
Bhunga in July 1974,  
for an apparent consideration  
which is less than the fair market value of the aforesaid  
property and I have reason to believe that the fair market  
value of the property as aforesaid exceeds the apparent  
consideration therefor by more than fifteen per cent of  
such apparent consideration and that the consideration  
for such transfer as agreed to between the parties has not  
been truly stated in the said instrument of transfer with the  
object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used here-  
in as are defined in Chapter XXXA of  
the said Act, shall have the same meaning  
as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act 1957  
(27 of 1957).

Agriculture land at Village Dehriwala measuring 42  
kanals 17 marlas as mentioned in Registration Deed No.  
627 of July 1974 of registering authority Bhunga.

Now, therefore, in pursuance of 269C of the said Act, I  
hereby initiate proceedings for the acquisition of the afore-  
said property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of section 269D of the said Act to the following persons,  
namely :—

R. K. PATHANIA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jullundur

- (1) Shri Narinder Singh S/o Shri Buta Singh,  
Village Dehriwala, Distt. Hoshiarpur.  
(Transferor)
- (2) S/Shri Mohinder Singh S/o Kishan Singh,  
2. Satpalsingh S/o Jagjitsingh, and  
3. Gurpritsingh S/o Gurcharansingh,  
R/o Jhaji Pind, Teh. and Distt. Hoshiarpur.

Date : 3-3-1975  
Seal :



FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) .

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-  
MISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 3rd March 1975

Ref. No. AP-718-74.—Whereas, I, R. K. Pathania, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961); (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agricultural lands measuring 42 kanals and 17 marlas, situated at Vill. Dehriwala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhunga in July 1975,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the

said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Sukhvinder Singh S/o Shri Buta Singh,  
Village Dehriwala, Teh. Hoshiarpur.  
S/Shri (Transferor)
- (2) 1. S/Shri Sat Pal Singh S/o Jagjit Singh,  
2. Mohinder Singh and Gurprit Singh,  
Ss/o Shri Gurcharan Singh,  
Village Jhaji Pind, Teh. Hoshiarpur.
- (3) As per S. No. 2.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the lands.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agri. lands measuring 42 kanals and 17 marlas situated at Village Dehriwala as mentioned in Registration deed No. 628 of Registering Authority Bhunga Teh. Hoshiarpur.

R. K. PATHANIA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jullundur

Date : 3-3-1975  
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-  
MISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 3rd March 1975

Ref. No. AP-719-74.—Whereas, I, R. K. Pathania, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agricultural land situated at Village Dehriwala, Teh. Hoshiarpur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bhunga in July 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Narinder Singh S/o Buta Singh, and  
2. Smt. Jagdish Kaur Wd/o Buta Singh,  
S/o Gurdial Singh,  
R/o Village Dehriwala, Teh. Hoshiarpur.  
(Transferor)
- (2) 1. Shri Manjit Singh S/o Kishan Singh,  
2. Shri Santosh Singh S/o Jagjit Singh, and  
3. Gural Singh S/o Gurcharn Singh,  
R/o Jhaji Pind, Teh. Hoshiarpur.  
(Transferee)

(3) As per S. No. 2,  
(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the lands,  
(Person whom the undersigned knows to be  
interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural lands situated at Village Dehriwala measuring 31 kanals and 1 marla as mentioned in Registration Deed of Registering Authority Bhunga at S. No. 629 of July 1974.

R. K. PTHANIA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jullundur

Date : 3-3-1975

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 3rd March 1975

Ref. No. AP-720-74.—Whereas, I, R. K. Pathania, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land situated at Village Dehriwala, Teh. Hoshiarpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhunga in July 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been fully stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Jagvir Kaur and Dharmvir Kaur,  
Through Shri Sukhvinder Singh  
S/o But Singh Mukhtare Am  
R/o Village Dehriwala Teh. Hoshiarpur.  
(Transferor)
- (2) 1. Shri Manjit Singh S/o Kishan Singh,  
2. Santokh Singh S/o Jagjit Singh, and  
3. Gurpal Singh S/o Gurcharan Singh,  
Village Jhaji Pind, Teh. Hoshiarpur.  
(Transferee)

- (3) As per S. No. 2.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the lands.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agriculture lands measuring 46 kanals 13 marlas situated at Village Dehriwala as mentioned in Registration Deed No. 630 of July 1974 of Registering Authority Bhunga.

R. K. PATHANIA,  
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jullundur

Date : 3-3-1975

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 3rd March 1975

Ref. No. AP-721-74.—Whereas, I. R. K. Pathania, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. land situated at Suthari Khurd (Hoshiarpur) (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hoshiarpur in July 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, 1922 (11 of 1922) said Act or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely,

- (1) Shri Banta Singh S/o Sub. Jawala Singh,  
R/o Mohalla Gurunanak Nagar,  
Hoshiarpur. (Transferor)
- (2) Shri Harbans Singh S/o Shri Hukam Singh,  
Moh. Bahadurpur, Hoshiarpur. (Transferee)
- (3) As per S. No. 2.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the lands.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Lands measuring 7 kanal 14½ marlas situated in Suthari Khurd as mentioned in Registration Deed No. 1764 of July 1974 of Registering Authority, Hoshiarpur.

R. K. PATHANIA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jullundur

Date : 3-3-1975

Seal :

## FORM ITNS—

(3) As per S. No. 2.  
(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

(4) Any person interested in the lands.  
(Person whom the undersigned knows to be  
interested in the property)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-  
MISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 3rd March 1975

Ref. No. AP-722-74.—Whereas, I, R. K. Pathania, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agi. Land situated at Suthehri Khurd (Hoshiarpur) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hoshiarpur in July 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Banta Singh S/o Sub. Jawala Singh,  
R/o Guru Nanak Nagar, Hoshiarpur.  
(Transferor)
- (2) Kumari Manjit Sandhu,  
D/o Dalip Singh S/o Gopal Singh,  
Village Suthehri Khurd, Teh. Hoshiarpur.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agriculture land measuring 7 kanals and 14½ marlas situated at Suthehri Khurd (Hoshiarpur) as mentioned in Registration Deed No. 1741 of July 1974 of Registering Authority Hoshiarpur.

R. K. PATIANIA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 3-3-1975

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 3rd March 1975

Ref. No. AP-723-74.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No Agr Lands, situated at Village Ajram, Teh. Hoshiarpur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hoshiarpur in July 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) S/Shri Mohan Singh and Dewa Singh,  
S/o Ujagar Singh,  
Village Ucha, P.S. Adampur,  
Tehsil Hoshiarpur.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Karnail Singh S/o Amar Singh,  
2. Shri Amrik Singh S/o Karnail Singh, and  
3. Smt. Surinder Kaur W/o Karnail Singh,  
Village Erhsawal, Teh. Hoshiarpur.  
(Transferee)
- (3) As per S. No. 2.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the lands.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agriculture lands measuring 39 kanals 19 marlas situated in Village Ajram as mentioned in registration Deed No. 1901 of July 1974 of Registering Authority, Hoshiarpur.

RAVINDER KUMAR

Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jullundur

Date : 3-3-1975

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
MISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 3rd March 1975

Ref. No AP-725-74.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act' have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hoshiarpur in July 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of the section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Surjit Singh S/o Rattan Singh,  
Village Chhawani Kalan, Teh. Hoshiarpur.  
(Transferor)

- (2) Shri Jagat Singh S/o Atma Singh,  
R/o Binpalkey Nangal,  
P.S. Kartarpur, Teh. Jullundur.

(Transferee)

- (3) As per S. No. 2.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the lands.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 15 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Agriculture lands measuring 62 kanals 2 marlas situated in Village Chhawani, Teh. Hoshiarpur as mentioned in Registration Deed No. 1912 of July 1974 of Registering Authority Hoshiarpur.

RAVINDER KUMAR  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jullundur

Date : 3-3-1975  
Seal :

## FORM ITNS

(2) S/Shri Gurdev Singh, Baldev Singh and Sukhdev Singh Ss/o Mohan Singh,  
V. P.O. Nasrula, Teh. Hoshiarpur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-  
MISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 3rd March 1975

Ref. No. AP-724-74.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hoshiarpur in July 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Thakar Ram S/o Mangat Ram,  
Village Chak Gujran, Teh. Hoshiarpur.  
(Transferor)

- (3) As per S. No. 2.  
(Person in occupation of the property)

- (4) Any person interested in the lands.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objection if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the date of the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agriculture lands measuring 58 kanals situated at Village Chak Gujran, Teh. Hoshiarpur as mentioned in Registration Deed No. 1986 of July 1974 of Registering Authority Hoshiarpur.

RAVINDER KUMAR

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 3-3-1975

Seal :